बिहार विधान सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि २६ मार्च १९५२।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २६ मार्च, १९५२ को पूर्वाह्न ११ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

तारांकित प्रश्नोत्तर।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

बंगरा-मझौली बोर्ड मिड्ल स्कूल।

*९०। श्री चेतू राम—क्या माननीय मंत्री, स्वायत्त-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बंगरा, मनकीली से होकर बहने वाली नुन नदी के पूरब तरफ़ एक बोर्ड मिड्ल स्कूल है;

(ख) क्या यह बात सही है कि मई महीने से लेकर जनवरी तक पानी रहने के कारण कई गांवों के लड़कों को बड़ा चक्कर लगाकर स्कूल में जाना पड़ता है;

(ग) क्या यह बात सही है कि पश्चिम वाले निवासियों को पूरब की ओर अपनी खेती करने में नदी के कारण बड़ी दिक्कत होती है;

(घ) यदि खंड (क), (ख) और (ग) का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार डिस्ट्रिक्ट बोर्ड को आदेश देने का विचार करती है कि कुरहनी स्टेशन से बांधी जाने वाली सड़क से मिलाकर एक पुल नुन नदी पर बना दिया जाय?

माननीय पं० विनोदानन्द झा—(क) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ख) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ग) नदी की दोनों ओर सड़कों की व्यवस्था है। फिर भी ऐसा अनुमान किया जाता है कि जिन्हें नदी के पार खेती करने के लिए जाना पड़ता होगा, उन्हें बरसात में कष्ट होता ही होगा।

(घ) जिस स्थान पर पुल बनाने का संकेत है वहां डिस्ट्रिक्ट बोर्ड की कोई सड़क नहीं है। अतः पुल बनाने के साथ-साथ सड़क भी बनवाना होगा जिसका कुल खर्च प्रायः ३०,००० रु० से ४०,००० रु० तक होगा जिसे अभी जुटाना संभव नहीं है।

कुरहनी थाने का डिस्ट्रिक्ट बोर्ड अस्पताल।

*९१। श्री चेतू राम—क्या माननीय मंत्री, स्वायत्त-शासन विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि कुरहनी थाने में डिस्ट्रिक्ट बोर्ड की ओर से एक छोटा सा अस्पताल है;

श्री वीरचन्द पटेल—(क) १९४९-५० और १९५०-५१ साल में २५ हरिजनों को स्टाकमैन की शिक्षा दी गई।

(ख) सब हरिजन शिक्षार्थी, जिन्होंने १९५० और १९५०-५१ साल में परीक्षा पास की थी, पशुपालन विभाग में सरकारी नौकरी पर बहाल कर लिये गये हैं।

श्री शिवनन्दन राम—उनमें कितने पास हो गये, इसकी संख्या मैं जानना चाहता हूँ।

श्री वीरचन्द पटेल—इसके लिये सूचना चाहिये।

गोरौल मिल के आस-पास की सड़क।

*१११। श्री चेतू राम—क्या माननीय मंत्री, विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि ऊख के मिल के आसपास दस मिल की परिधि में मिल की तरफ से सड़कों का सुधार और बिजली का प्रबंध किया जाता है;

(ख) क्या यह बात सही है कि सरकार की ओर से मिल को इसके लिए ऊख की दर में कुछ रिबेट मिलता है और सड़क के सुधार पर सरकारी ताकीद रहती है;

(ग) यदि खंड (क) और (ख) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो गोरौल सूगर मिल की ओर से इस ओर कौन-कौन सी कार्रवाइयां हुई हैं;

(घ) क्या यह बात सही है कि मिल क्षेत्र की परिधि में दस मील तक पड़ने वाले गांवों के ऊख के खेतिहर बैलगाड़ियों पर ऊख लाद कर मिल के दरवाजे पर पहुंचाते हैं, यदि 'हां' तो सड़कों के खराब रहने के कारण उन्हें काफी दिक्कत उठानी पड़ती है;

(ङ) यदि खंड (घ) का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार इस संबंध में विशेषतया गोरौल मिल के आसपास के ग्रामवासियों के लिये कौन-कौन सी कार्रवाई करने का विचार करती है?

श्री वीरचन्द पटेल—(क) उत्तर नकारात्मक है।

(ख) उत्तर नकारात्मक है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(ङ) सरकार ने चीनी फैक्टरियों के क्षेत्रों में संचार के सुधार के लिये एक योजना मंजूर की है, जिसमें पहली बार १८५ मील सड़क के सुधार का विचार किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत गोरौल फैक्टरी क्षेत्र में—

(१) गौरोल से मकदुमपुर होते हुए, और (२) गौरील से चैनपुर होते हुए इस्लामपुर तक क्रमशः ५ मील और २ मील लम्बी दो सड़कें चुनी गयी हैं। इस तरह चुनी गयी सभी सड़कों की विस्तृत योजनायें और आंकड़े सरकार के विचाराधीन हैं। पूरा ब्योरा निश्चित होते ही काम हाथ में लिया जा सकेगा।